

अनुवादः

"पश्चात् वदति इति अनुवादः" अर्थात् एक भाषा को दूसरी भाषा में परिवर्तित कर जीधे से जो बोला जाता है, उसे अनुवाद कहते हैं।

संस्कृत में अनुवाद बनाने के लिए सर्व प्रथम कर्ता और क्रिया को समझने की आवश्यकता है। कर्ता के पुरुष वचन के अनुसार ही क्रिया का प्रयोग होता है। अर्थात् कर्ता जिस पुरुष एवं वचन में होता है, उसी पुरुष एवं वचन में क्रिया का प्रयोग करते हैं।

पुरुष तीन प्रकार के होते हैं।

१. प्रथम पुरुष - जिसके विषय में कुछ कहा जाता है, उसे प्रथम पुरुष कहते हैं, जैसे - राम पढ़ता है, वह जाता है, धोड़ा दौड़ता है।

यहाँ राम, वह, धोड़ा कर्ता हुआ क्योंकि पढ़ने वाला, जाने वाला तथा दौड़ने वाला राम, वह, तथा धोड़ा है। यहाँ राम, वह, तथा धोड़ा के विषय में बात करते हैं, इसलिए यह प्रथम पुरुष हुए। साधारण अर्थ में - मैं, हम दोनों और हम लोग तथा तुम, तुम दोनों, तुम लोगों को छोड़कर सभी संज्ञा एवं सर्वनाम प्रथम पुरुष होते हैं।

२. मध्यम पुरुष - जिससे कुछ कहा जाता है, उसे मध्यम पुरुष कहते हैं। यथा - तुम, तुम दोनों, तुम लोग

३. उत्तम पुरुष - जो स्वयं कहने वाला होता है, उसे उत्तम पुरुष कहते हैं। यथा - मैं, हम दोनों, हम लोग

वचन

संस्कृत में वचन तीन प्रकार के होते हैं।

१. एकवचन - एक व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है उसे एकवचन कहते हैं। यथा - राम जाता है, वह जाता है, तुम जाते हो, मैं जाता हूँ।

यहाँ राम, मैं, वह और तुम एक ही व्यक्ति हैं, (2)
इसलिए एक वचन हुआ।

१. द्विवचन - दो व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है,
उसे द्विवचन कहते हैं। यथा - वे दोनों, तुम दोनों, हम दोनों,
दो लड़के, राम और श्याम

३. बहुवचन - दो से अधिक व्यक्ति या वस्तु का बोध
होता है, उसे बहुवचन कहते हैं। यथा - वे लोग, लड़के
राम, श्याम और मोहन इत्यादि।

क्रिया का प्रयोग करने के लिए लकार पढ़ने की
आवश्यकता है। लकार १० प्रकार के होते हैं, लेकिन हम
पाँच लकार को पढ़ते हैं।

१. लट् लकार - वर्तमाने लट् - सामान्य वर्तमान
काल के क्रिया के साथ लट् लकार का प्रयोग होता है।
यथा - वह जाता है - सः गच्छति।

एक वचन
प्रथम पुरुष ति, पठति

मध्यम पुरुष सि, पठसि

उच्चम पुरुष आमि, पठामि

यथा - ^{प्रत्यय} वह पढ़ता है
सः पठति

अथ तुम पढ़ते हो
तुं पठसि

उ० पु० मैं पढ़ता हूँ
अहं पठामि

द्विवचन
तः, पठतः

यः, पठथः

आयः पठावः

वे दोनों पढ़ते हैं
ते पठतः

तुम दोनों पढ़ते हो
मुयां पठथः

हम दोनों पढ़ते हैं
आवां पठावः

बहुवचन
अन्ति, पठन्ति

यः, पठथ

आमः, पठामः

वे लोग पढ़ते हैं
ते पठन्ति

तुम लोग पढ़ते हो
यूयं पठथ

हम लोग पढ़ते हैं
वयं पठामः